JAGRAN Josh
your guide to success

WWW.JAGRANJOSH.COM

उत्तर प्रदेश पीसीएस मुख्य परीक्षा 2012: हिन्दी साहित्य का पाठ्यक्रम

हिन्दी साहित्यः प्रथम प्रश्न-पत्र (भाग-1)

हिन्दी भाषा तथा नागरीलिपि का इतिहास

1. पाली, प्राकृत एवं अपभ्रंश तथा पुरानी हिन्दी का संक्षिप्त अध्ययन। **2.** मध्य काल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रुप में विकास। **3.** खड़ी बोली गद्य भाषा का विकास। **4.** राजभाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा एवं मानक भाषा के रुप में हिन्दी। **5.** वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी भाषा की स्थिति। **6.** हिन्दी भाषा का क्षेत्र और अवधी, ब्रज, खड़ी बोली, भोजपुरी, कुमांउनी का सामान्य परिचय **7.** मानक हिन्दी का व्याकरणिक स्वरुप। **8.** नागरीलिपि उद्भव और विकास, देवनागरीलिपि की समस्यायें और समाधान। **9.** हिन्दी शब्द-सम्पदा।

भाग-2 हिन्दी साहित्य का इतिहास

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा। **2.** हिन्दी साहित्य के इतिहास में काल विभाजन तथा नामकरण। **3.** आदिकालः भक्तिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियां। **4.** आधुनिक कालः पुर्नजागरण और भारतेन्दु काल, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद नयी कविता एवं परवर्तीकाव्य धारायेः **(क) हिन्दी उपन्यास, हिन्दी कहानी, हिन्दी नाटकः** उद्भव विकास एवं इनकी आधुनाततन

प्रवृत्तियां।**(ख)** हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधायेंः रेखाचित्र, सस्मरण,यात्रा वृतांन्त। **(ग)** हिन्दी आलोचना का प्रारंभ और विकासः प्रमुख आलोचकः रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे बाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नागेन्द्र, मुक्तिबोध, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह।

हिन्दी साहित्य : द्वितीय प्रश्न-पत्र भाग- प्रथम

इस प्रश्न-पत्र में निर्धारित रचनाओं में से व्याख्या एवं उन पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।कबीर ग्रन्थावली, सम्पादक-श्याम सुन्दर दास, साखी संख्या 1 से 100 तक और पद संख्या 1 से 20 तक।

सूरदास (भ्रमर गीत सार) सम्पादक-रामचन्द्र शुक्ल, प्रारम्भ से एक सौ पद तक, तुलसीदास- रामचरित मानस उत्तरकान्ड। जायसी (पदमावत), सम्पादक-रामचन्द्र शुक्ल (सिंहलदीप खण्ड और नागमती वियोग खण्ड) बिहारी संग्रह (प्रारम्भ से 100 दोहे तक) हिन्दी परिषद प्रकाशन, इलाहाबाद।

जयशंकर प्रसादः कामायनीः (चिन्ता और श्रद्धा सर्ग) सुमित्रानन्दन पन्त-नौका विहार, परिवर्तन, निराला-राम की शक्ति पूजा, अज्ञेय-असाध्यवीणा, मुक्तिबोध-ब्रह्मराक्षस, नागार्जुन-बादल को घिरते देखा है, अकाल के बाद।

भाग द्वितीय

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र-भारत दुर्दशा, जयशंकर 'प्रसाद'-स्कन्द गुप्त, रामचन्द्र शुक्ल, चिन्तामणि भाग-एक (कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति)। प्रेमचन्द्र-गोदान, प्रेमचन्द्र की सर्वश्रेष्ठ कहानियां, सम्पादक अमृतराय, यशपाल-दिव्या, फणीश्वर नाथ 'रेणु' मैला आँचल।